

आज की छोटी सी बचत ही कल की बड़ी पूंजी

- बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ ज्यादा पैसा नहीं, सही समय और नियमित निवेश जरूरी
- निवेश को लंबा समय दें, लक्ष्य के अनुसार वित्तीय योजना से रणनीति तैयार करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क
इंड़े वित्तीय लक्ष्य एक-दो साल में पूरे नहीं होते।

इनके लिए कम उम्र से योजना बनाकर नियमित निवेश करना और उसे लंबे समय तक जारी रखना जरूरी है। छोटी रकम से शुरू किया गया निवेश भी पर्याप्त समय मिलने पर बड़ा फंड तैयार करने में मदद कर सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण चक्रवृद्धि का प्रभाव है, जिसमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे चलकर अतिरिक्त रिटर्न कमाने का आधार बनता है। वित्तीय योजना बनाते समय सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस उद्देश्य के लिए कितनी रकम अगर कितने समय बाद चाहिए। घर खरीदने, बच्चों की उच्च शिक्षा, कारोबार शुरू करने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई जा सकती है। एक ही निवेश विकल्प में पूरी रकम लगाने के बजाय जोखिम और जरूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में विविधता रखना भी महत्वपूर्ण है।



6000 रुपये महीने से समझें लंबी अवधि का असर

मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 6,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और इसे 25 वर्षों तक जारी रखता है। यदि औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न की सिर्फ गणना के लिए धारणा ली जाए, तो 25 साल में फंड करीब 1.13 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसी उदाहरण में पांच साल बाद निवेश का अनुमानित मूल्य करीब 4.95 लाख रुपये, 10 साल बाद 13.86 लाख रुपये, 15 साल बाद 30.27 लाख रुपये और 20 साल बाद लगभग 60 लाख रुपये बताया गया है। यहां सबसे महत्वपूर्ण बात रकम से ज्यादा समय है। लंबे समय तक निवेश जारी रहने पर चक्रवृद्धि का प्रभाव बढ़ता जाता है। हालांकि, 12 प्रतिशत रिटर्न केवल उदाहरण के लिए लिया गया है। बाजार आधारित निवेश में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक रकम बाजार के प्रदर्शन के अनुसार अलग हो सकती है।

लक्ष्य की तारीख तय किए बिना न बनाएं निवेश योजना

निवेश शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि रकम की आवश्यकता कब पड़ेगी। निकट भविष्य में इस्तेमाल होने वाले पैसे और 20-25 साल बाद चाहिए रकम के लिए एक जैसी रणनीति नहीं अपनाई जानी चाहिए। दो-तीन साल में किसी लक्ष्य के लिए पैसा चाहिए तो निवेश में जोखिम का स्तर सीमित रखना जरूरी हो सकता है। दूसरी तरफ लंबी अवधि के लक्ष्यों में निवेशक अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार बाजार से जुड़े विकल्पों पर विचार कर सकता है। निवेश की शुरुआत केवल रिटर्न की तलाश से नहीं होनी चाहिए। परिवार की आकस्मिक जरूरतों के लिए अलग रकम रखनी भी वित्तीय योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नौकरी में बदलाव, अचानक बड़ा खर्च या अन्य आपात स्थिति में यह फंड आर्थिक दबाव कम कर सकता है।

रिटायरमेंट आमतौर पर सबसे लंबे वित्तीय लक्ष्यों में शामिल होता है। यदि इसकी तैयारी नौकरी के शुरुआती वर्षों में शुरू कर दी जाए तो लंबे समय का फायदा मिलता है। यहां भी सिर्फ आज के खर्च को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है। भविष्य की महंगाई और रिटायरमेंट के बाद कितने वर्षों तक रकम की जरूरत होगी, इसका अनुमान लगाना चाहिए।

10 साल में बनाया जा सकता है बड़ा लक्ष्य

नौकरी या कारोबार शुरू करने के शुरुआती वर्षों में आय भले ही सीमित हो, लेकिन इसी समय नियमित निवेश की आदत विकसित करना फायदेमंद हो सकता है। शुरुआत छोटी SIP से की जा सकती है और आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाई जा सकती है। 10 साल बाद घर की डाउन पेमेंट, उच्च शिक्षा या अन्य बड़े खर्च के लिए रकम जुटाने में तो आज से ही अनुमान लगाना चाहिए कि भविष्य में कितने पैसे की जरूरत होगी।

20 साल में बढ़ाया जा सकता है निवेश

लंबी नौकरी अवधि में आमतौर पर आय में बदलाव की संभावना रहती है। वेतन बढ़ने या अतिरिक्त आय होने पर निवेश को भी उसी अनुपात में बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। इसे नियमित एसआईपी साथ अतिरिक्त निवेश के जरिए भी किया जा सकता है। लंबी अवधि में बाजार में तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिल सकती है। इसलिए निवेशक को केवल थोड़े समय के उतार-चढ़ाव को देखकर अपना लंबी अवधि का लक्ष्य बदलने से बचना चाहिए।

पूरा पैसा एक जगह लगाने से बचें
निवेश पोर्टफोलियो में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों का संतुलन जोखिम को समझने में मदद करता है। दिए गए उदाहरण में इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे विकल्पों का मिश्रण दिखाया गया है। लेकिन हर व्यक्ति के लिए इनका अनुपात समान नहीं हो सकता। निवेश का वितरण व्यक्ति की उम्र, आय, वित्तीय लक्ष्य, समयवधि और जोखिम सहने की क्षमता के आधार पर तय होना चाहिए। लक्ष्य करीब आने पर जोखिम वाले निवेश का अनुपात कम करने की जरूरत भी पड़ सकती है। लंबी अवधि का निवेश लक्ष्य के मुताबिक आगे बढ़ रहा है या नहीं।

निवेश के 6 जरूरी मंत्र

- जल्दी शुरुआत करें : कम उम्र में निवेश शुरू करने से लंबी अवधि का फायदा मिलेगा।
- लक्ष्य तय करें : घर, शिक्षा, रिटायरमेंट जैसे हर लक्ष्य के लिए समयवधि तय करें।
- एसआईपी को नियमित रखें : छोटी रकम से शुरुआत करके आय बढ़ने के साथ निवेश बढ़ाया जा सकता है।
- चक्रवृद्धि का लाभ लें : लंबे समय तक निवेश रहने पर रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने का असर बढ़ता है।
- पोर्टफोलियो में विविधता रखें : इक्विटी, डेट, गोल्ड आदि में जोखिम क्षमता के अनुसार संतुलन बनाया जा सकता है।
- समय-समय पर समीक्षा करें : आय, उम्र, लक्ष्य और जोखिम क्षमता बदलने पर निवेश योजना में भी बदलाव करें।
- निवेश से पहले जरूर देखें
- कितने समय के लिए पैसा लगाना है?
- लक्ष्य के लिए कितनी रकम चाहिए?
- जोखिम उठाने की क्षमता कितनी है?
- आपातकालीन फंड तैयार है या नहीं?
- निवेश की समय-समय पर समीक्षा हो रही है?

एसआईपी में बढ़ता पैसा, स्मॉल कैप में तेजी निवेशकों के लिए खतरे की घंटी या अवसर?

सावधानी
बिजनेस डेस्क

भारतीय निवेश बाजार में एसआईपी पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। अगस्त 2026 में निवेशकों ने म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए रिकॉर्ड 32,297 करोड़ रुपये लगाए। साथ ही योगदान करने वाले एसआईपी खातों की संख्या भी 10 करोड़ के पार पहुंच गई। दूसरी ओर, स्मॉल कैप फंडों में अगस्त के दौरान 7,973 करोड़ का निवेश आया। मिडकैप फंडों में भी करीब 6,989 करोड़ रुपये का प्रवाह रहा। यानी निवेशकों की दिलचस्पी ज्यादा जोखिम वाली इक्विटी श्रेणियों में भी बनी हुई है। यह आंकड़ा देखकर पहला सवाल स्वाभाविक है। क्या स्मॉल कैप में इतनी तेजी और निवेश का बढ़ता प्रवाह बाजार में जरूरत से ज्यादा उत्साह का संकेत है? इसका सीधा जवाब हां या नहीं में देना सही नहीं होगा। रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को अपने-आप में खतरे की घंटी नहीं माना जा सकता। एसआईपी निवेश का मतलब यह भी है कि लोग नियमित रूप से बाजार में पैसा लगा रहे हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव को समय के साथ ओसत करने की कोशिश कर रहे हैं। एएमएफआई भी एसआईपी को नियमित और अनुशासित निवेश की पद्धति बताता है।

सवाल स्मॉल कैप नहीं, सही अनुपात
स्मॉल कैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से छोटी कंपनियां होती हैं। इनमें भविष्य में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी बड़े हो सकते हैं। इसलिए स्मॉल कैप फंड में निवेश का सवाल केवल यह नहीं है कि अभी इसमें पैसा जा रहा है या नहीं। सवाल यह है कि निवेशक के पूरे पोर्टफोलियो में इसका



हिस्सा कितना है। मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी करता है। यदि वह पूरी रकम केवल स्मॉल कैप फंड में एसआईपी करता है, तो उसका पोर्टफोलियो बाजार की तेज गिरावट के समय ज्यादा उतार-चढ़ाव देख सकता है। इसके विपरीत, वही निवेशक अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, मल्टीसेक्टर कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप, या हाइब्रिड श्रेणियों का संतुलन बनाता है तो जोखिम को अलग तरीके से संभाला जा सकता है।

एसआईपी का रिकॉर्ड निवेशकों को क्या बताता है?

अगस्त में एसआईपी योगदान 32,297 करोड़ रुपये रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है। जुलाई में यह 31,961 करोड़ रुपये और जून में 31,781 करोड़ था। यानी लगातार तीन महीनों से एसआईपी प्रवाह 31 हजार करोड़ से ऊपर रहा। अगस्त तक वित्त वर्ष 2026-27 में एसआईपी के जरिए 1.58 लाख करोड़ से ज्यादा जमा हो चुके थे। आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों का एक बड़ा वर्ग बाजार की रोजाना चाल के बजाय नियमित निवेश पर भरोसा कर रहा है। लेकिन यहां भी सावधानी जरूरी है। एसआईपी बाजार में नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। जिस फंड में एसआईपी चल रही है उसका मूल्य गिरता है, तो निवेशक के निवेश का मूल्य भी घट सकता है। लंबे समय में नियमित निवेश का

फायदा बाजार के अलग-अलग स्तरों पर यूनित खरीदने से हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त समय और अनुशासन जरूरी है।

तेजी देखकर एसआईपी बढ़ाना जरूरी नहीं

स्मॉल कैप फंडों में लगातार पैसा आने से कई निवेशकों को यह लग सकता है कि अभी ज्यादा रकम लगाने का सही समय है। यही वह जगह है जहां निवेशक को सावधान होना चाहिए। पिछला प्रदर्शन भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं है। अगर किसी श्रेणी ने कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन किया है तो केवल उसी आधार पर उसमें निवेश का हिस्सा बढ़ाना जरूरी नहीं। निवेश का फैसला लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर होना चाहिए। अगर किसी निवेशक का लक्ष्य 15-20 साल दूर है और वह बाजार में बड़ी गिरावट सहने की क्षमता रखता है तो उसके लिए इक्विटी में ज्यादा हिस्सा अलग हो सकता है। लेकिन कुछ साल में घर, बच्चों की पढ़ाई या किसी अन्य बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो अत्यधिक अस्थिर श्रेणी में बड़ा निवेश जोखिम बढ़ा सकता है।

नए निवेशक सबसे बड़ी गलती कहां करते हैं?

तेजी के समय निवेशक अक्सर रिटर्न देखकर फंड चुनते हैं। किसी स्मॉल कैप फंड ने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया तो उसमें एसआईपी शुरू कर दी। फिर बाजार गिरने पर घबराकर एसआईपी बंद कर दी। इससे एसआईपी की मूल भावना ही कमजोर हो जाती है। दूसरी गलती है एक ही श्रेणी के कई फंड खरीद लेना। पांच अलग-अलग स्मॉल कैप फंड रखने का मतलब जरूरी नहीं कि पोर्टफोलियो ज्यादा विविध हो गया। कई फंडों के पोर्टफोलियो में समान कंपनियां हो सकती हैं। तीसरी गलती है बाजार की तेजी में एसआईपी की रकम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ा देना। एसआईपी की रकम बढ़ाने का फैसला आमदनी, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम क्षमता में बदलाव के आधार पर होना चाहिए, केवल बाजार की तेजी देखकर नहीं।

निवेशक क्या करें?

- **पहला** : एसआईपी बंद न करें, लेकिन उसकी समीक्षा जरूर करें। अगर निवेश लंबी अवधि के लक्ष्य के लिए है और फंड तथा जोखिम स्तर उपयुक्त हैं तो केवल बाजार की चाल देखकर एसआईपी रोकना जरूरी नहीं।
- **दूसरा** : स्मॉल कैप का हिस्सा जाँचें। पूरे पोर्टफोलियो में स्मॉल कैप कितना है, यह देखें। जरूरत से ज्यादा हो गया है तो नए निवेश को दूसरी श्रेणियों में मोड़ने पर विचार किया जा सकता है।
- **तीसरा** : लक्ष्य के हिसाब से निवेश करें। रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा, घर या आपातकालीन जरूरत हर लक्ष्य की समयवधि अलग है। उसी हिसाब से जोखिम लेना चाहिए।
- **चौथा** : आपातकालीन फंड अलग रखें। शेयर बाजार या इक्विटी म्यूचुअल फंड को अचानक आने वाले खर्च के लिए इस्तेमाल करने की योजना नहीं बनानी चाहिए।
- **पांचवां** : बाजार को समय देने के बजाय समय को बाजार में दें। लंबी अवधि के निवेश में अनुशासन महत्वपूर्ण है। बाजार कब ऊपर जाएगा या कब नीचे आएगा, इसकी भविष्यवाणी करने के बजाय निवेश की अवधि और परिसंपत्ति-वितरण पर ध्यान देना ज्यादा व्यावहारिक है।

रिकॉर्ड एसआईपी खतरा नहीं, चेतावनी जरूर है
रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को बाजार में बुलबुले का प्रमाण मानना जल्दबाजी होगी। भारत में म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार भी हुआ है और निवेशकों की संख्या बढ़ी है। अगस्त 2026 के अंत में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम करीब 87.08 लाख रुपये करोड़ था। लेकिन एसआईपी प्रवाह निवेशकों के लिए एक दूसरी तरह की याद दिलाता है। निवेश बढ़ रहा है तो वित्तीय समझ भी उसी गति से बढ़नी चाहिए। स्मॉल कैप में पैसा बढ़ रहा है, एसआईपी रिकॉर्ड बना रही है और नए निवेशक बाजार से जुड़ रहे हैं। ऐसे समय में सही सवाल यह नहीं होना चाहिए कि "कितना ज्यादा रिटर्न मिलेगा?", बल्कि यह होना चाहिए कि "मेरे लक्ष्य के लिए कितना जोखिम उचित है?"



महिलाओं और छोटे शहरों ने बदला म्यूचुअल फंड का ट्रेंड

■ बी-30 शहरों के म्यूचुअल फंड निवेश में इक्विटी की हिस्सेदारी 65.9%

■ महिलाओं के पोर्टफोलियो में भी 5 साल में 40% से बढ़कर 65% हुआ हिस्सा

समझदारी
बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश का नक्शा तेजी से बदल रहा है। कभी इक्विटी म्यूचुअल फंड को बड़े शहरों और शेयर बाजार की अच्छी समझ रखने वाले निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। महिलाएं और छोटे शहरों-कस्बों के निवेशक तेजी से इक्विटी म्यूचुअल फंड की ओर बढ़ रहे हैं। इससे न केवल म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार बढ़ रहा है, बल्कि देश में निवेश की आदतों में भी बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, महिला निवेशकों के म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में इक्विटी की हिस्सेदारी मार्च 2020 में करीब 40% थी, जो मार्च 2025 में बढ़कर 65% हो गई। यानी पांच साल में महिलाओं के पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा 25 प्रतिशत अंक बढ़ा। इसी अवधि में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग के एयूएम में इक्विटी की हिस्सेदारी 27% से बढ़कर 45% हुई। इसका मतलब यह नहीं है कि हर महिला निवेशक अब आकामक तरीके से शेयर बाजार में पैसा लगा रही है। इसका बड़ा संकेत यह है कि महिला निवेशकों के बीच इक्विटी को लंबे समय के निवेश के एक विकल्प के तौर पर स्वीकार्यता बढ़ी है। यह बदलाव वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की ओर भी इशारा करता है।

छोटे शहरों में इक्विटी का बढ़ता भरोसा
निवेश के इस बदलते ट्रेंड का दूसरा बड़ा पहलू बी-30 यानी टॉप-30 शहरों के बाहर के शहरों और कस्बों से जुड़ा है। जुलाई 2026 तक B30 लोकेशन के म्यूचुअल फंड एयूएम में इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीम्स की हिस्सेदारी 65.9% रही। इसके मुकाबले टी-30 यानी बड़े शहरों में यह हिस्सा 59.8% था। यह आंकड़ा खासा महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ है कि छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच इक्विटी आधारित योजनाओं की पैठ बढ़ी है। हालांकि कुल म्यूचुअल फंड एयूएम में टी-30 शहरों का योगदान अभी भी बड़ा है, लेकिन बी-30 में इक्विटी की ऊंची हिस्सेदारी बताती है कि म्यूचुअल फंड उद्योग का विस्तार अब महानगरों से आगे निकल रहा है। डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन केवाईसी, मोबाइल आधारित निवेश और एसआईपी जैसे आसान विकल्पों ने छोटे शहरों के निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड तक पहुंच आसान की है। पहले निवेश के लिए बैंक शाखा या वित्तीय सलाहकार पर निर्भरता ज्यादा थी।

रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें
इक्विटी म्यूचुअल फंड में बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक आंकड़ा हो सकती है, लेकिन निवेशकों के लिए निवेश का अर्थ यह नहीं है कि इक्विटी में पैसा लगाना हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त है। इक्विटी में बाजार जोखिम होता है और रिटर्न निश्चित नहीं होता। 31 अगस्त 2026 तक पांच साल की अवधि में निपटी 50 टीआरआई का सीपसीआर 8.32% रहा, जबकि इक्विटी फंड कैटेगरी का औसत रिटर्न 12.84% रहा। लेकिन यह पिछले प्रदर्शन का आंकड़ा है, भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं।

एयूएम गिरा, फी भी निवेशक जुड़े रहे

फरवरी से मार्च 2026 के बीच भी इक्विटी एयूएम 35.4 लाख करोड़ से घटकर 32 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन फोलियो में बढ़ोतरी जारी रही। इसका एक कारण यह भी है कि बाजार में गिरावट आने पर एयूएम शेयरों और अन्य इक्विटी परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य में कमी से घट सकता है। इसका अर्थ यह जरूरी नहीं कि उसनी ही मात्रा में निवेशकों ने पैसा निकाल लिया हो। यही अंतर नए निवेशकों को समझना चाहिए। म्यूचुअल फंड का एयूएम बढ़ना हमेशा केवल नए पैसे आने का परिणाम नहीं होता और एयूएम घटना हमेशा बड़े पैमाने पर निकालों का संकेत नहीं होता। बाजार की चाल भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।



ऐसा करना कई बार बन जाता है कर्ज का बोझ बढ़ाने की शुरुआत
कम होती बचत, बढ़ते ब्याज और डिफॉल्ट के जोखिम का खतरा

पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया लोन लेने की आदत खतरनाक

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

महीने की शुरुआत में सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में उसका बड़ा हिस्सा ईएमआई में चला जाता है। फिर महीने के अंत में किसी जरूरी खर्च के लिए पैसे कम पड़ते हैं। ऐसे में क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन या किसी डिजिटल लोन एप से रकम लेकर पुरानी ईएमआई चुका देना आसान रास्ता लगता है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह तरीका एक बार की मजदूरी से निकलकर हर महीने की आदत बन जाता है। एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना व्यक्ति को कर्ज से बाहर नहीं निकालता, बल्कि कई मामलों में उसे और गहरे कर्ज में धकेल सकता है। पुरानी ईएमआई चुकाने के लिए नया लोन लेने पर तत्काल भुगतान तो हो जाता है, लेकिन नई देनदारी भी जुड़ जाती है। अगले महीने पुरानी ईएमआई के साथ नए लोन की ईएमआई या क्रेडिट कार्ड का भुगतान भी करना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मानला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर ऐसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मानला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर ऐसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मानला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर ऐसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मानला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर ऐसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मानला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्त भी चुकानी है। यदि फिर ऐसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।

सेवा संकल्प में कार्यकर्ताओं संग पंगत में बैठे डॉ. अरविंद शर्मा, खुद परोसा भोजन

जनता-सरकार के बीच कड़ी बनें कार्यकर्ता : डॉ. अरविंद



गोहाना। कार्यकर्ताओं को भोजन परोसते हुए डॉ. अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज़►►गोहाना

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 वर्षों में सत्ता को सेवा का माध्यम बनाकर राजनीति में कार्य संस्कृति का नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। भाजपा कार्यकर्ताओं का भी यह नैतिक दायित्व बनता है कि वे जनता और सरकार के बीच कड़ी बनें सेवा की भावना से काम करें और लोगों के बीच जाकर उनको योजनाओं की जानकारी दें। सेवा संकल्प अभियान के बीच शनिवार को गोहाना में औपचारिकताओं से अलग आत्मीयता की तस्वीर देखने को मिली। कैबिनेट मंत्री डॉ.

अरविंद शर्मा आमजन और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पंगत में बैठे, उनके साथ भोजन किया और खुलकर संवाद किया। संवाद का प्रमुख विषय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा यात्रा रही। डॉ. शर्मा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का भाव भी यही है कि जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता जनता के बीच जाएं, उनके साथ बैठें, उनकी बात सुनें और सरकार की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाएं। केवल मंच और कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि इस तरह का सीधा संवाद संगठन और जनता के रिश्ते को मजबूत करता



सोनीपत। सफाई अभियान के दौरान मेयर राजीव जैन एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

सेवा संकल्प अभियान के तहत चलाया स्वच्छता अभियान

सोनीपत। सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर निगम सोनीपत की ओर से 'स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर सोनीपत अभियान के अंतर्गत रविवार को 49वें सप्ताह का स्वच्छता अभियान चलाया गया। ऋषि कॉलोनी और सेक्टर-15 आउटर रिंग रोड पर विशेष सफाई अभियान चलाकर आसपास के क्षेत्रों की सफाई की गई। लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया। मेयर राजीव जैन ने अभियान में पहुंचकर सफाई कार्य का निरीक्षण किया। स्वच्छ शहर केवल नगर निगम के प्रयासों से नहीं बन सकता, इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने लोगों से घर, दुकान और आसपास के क्षेत्र को साफ रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि कूड़ा सड़क या खुले स्थान पर न डालें और निर्धारित कूड़ेदान में ही डालें। खुले में कूड़ा पड़ा रहने से मच्छर-मक्खियां पनपती हैं और बीमारियों का खतरा बढ़ता है। दुकानदार और स्थानीय निवासी कूड़ा पकड़ न होने दें तथा नगर निगम की कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों को ही कचरा सौंपें।

है। इस अवसर पर प्रवीण गोयल, वीरेंद्र जैन, प्रवीण खुराना, अरुण बड़ौक, कुलदीप कौशिक, डॉ. ओम प्रकाश शर्मा, हरि प्रकाश गौड़, प्रभु दयाल प्रजापत, मोनू पांचाल,

दुधाराम, राजकुमार वाल्मीकि, रमेश करणप, महेंद्र रबारी, कृष्ण सेनी, भूपेंद्र मुदगिल, डॉ. सुरशील, विनोद शर्मा और दीपक खेड़ी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।



खरखोदा। गोद भराई रस्म निभाते मोहनलाल बड़ौली। फोटो : हरिभूमि

सेवा संकल्प अभियान के तहत गांव गोरेड़ में आयोजित हुआ आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

खरखोदा। हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि महिलाओं और बच्चों का विकास एवं कल्याण समाज की समग्र प्रगति से जुड़ा विषय है। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा, सहयोग और संवेदना की भावना को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जब समाज के अतिरिक्त व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ पहुंचता है, तभी विकास की सार्थकता सुनिश्चित होती है। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मोहनलाल बड़ौली ने शनिवार को गांव गोरेड़ में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का बतौर मुख्यातिथि शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं, बच्चों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, सम्मान तथा कल्याण से जुड़े विषयों पर संवाद किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम सरकार और समाज के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के साथ-साथ जनभागीदारी को मजबूत करने का काम करते हैं। इस दौरान उन्होंने आपकी बेटी हमारी बेटी योजना के तहत चित्रांशु व माई को 21 21 हजार रुपये के एलआईडी बॉल्ब वितरित करने के साथ-साथ 7 गर्भवती महिलाओं काफी, बबौता, शिक्षा, गीता, बबीता, गायत्री, गीता की गोद भराई की रस्म पूरी की गई।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण: दहिया

जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में महिलाओं तथा बच्चों तक स्वास्थ और पोषण से जुड़ी सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम महिलाओं को एक मंच पर लाकर उनके स्वास्थ्य, पोषण और अधिकारों के प्रति जागरूक करने का बेहतर प्रयास है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को सुंजित आहार लेने, नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने तथा बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। जिला परिषद चेयरपर्सन मोनिका दहिया द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र में पौधा रोपित किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक भादुराज, अनुसूचित जाति आयोग की वहाइस चेयरपर्सन रेनु डाबला, राजबीर दहिया, ब्लॉक समिति चेयरमैन सतेंद्र, डीपीओ प्रवीण मलिक, सरपंच अंजू पवन प्रधान, सीडीपीओ नीलान रंग, गुजरगवाड़ सुदेश, पूजा, रेखा, सुमित्रा, वर्षा व डीईओ हरीश सहित कई गणमान्य व्यक्ति एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

धूमधाम से विदा किए गए गणपति बप्पा के जयकारों से गूंजा पूर्ण मूर्ति विद्यापीठ परिसर



सोनीपत। पूर्ण मूर्ति विद्यापीठ के चेयरमैन डा.विजयपाल नैन भगवान गणेश की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाते हुए। फोटो : हरिभूमि

■ विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्टाफ ने श्रद्धा व उत्साह के साथ दी गणपति बप्पा को विदाई, सुख-समृद्धि की कामना

हरिभूमि न्यूज़►►सोनीपत

पूर्ण मूर्ति विद्यापीठ में गणपति उत्सव का समापन भक्तिमय वातावरण में भगवान गणेश की प्रतिमा के विसर्जन के साथ हुआ। गणपति बप्पा की विदाई के अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं संस्थान के स्टाफ ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। इस दौरान पूरा परिसर 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर सभी ने भगवान गणेश को पुष्प अर्पित कर सुख, शांति, समृद्धि एवं संस्था की उन्नति की कामना की। ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के बीच विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक गणपति बप्पा के जयकारे लगाए। इसके बाद भगवान गणेश की प्रतिमा को श्रद्धापूर्वक बड़वासनी नहर ले जाया गया, जहां विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना

ये मौजूद रहे

विसर्जन समारोह में संस्थान के चेयरमैन डा.विजयपाल नैन, सचिव गौतम नैन, कोषाध्यक्ष गोपाल सिंह, प्रबंध निदेशक कपिल भाटिया, एमडी इंडी। संघदीप शाक्य, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डा. स्वीटी, कैपस डायरेक्टर कुलदीप तथा रजिस्ट्रार कंचनजीत सिंह संघू विशेष रूप से मौजूद रहे।

कर गणपति बप्पा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन डा.विजयपाल नैन ने कहा कि भारतीय संस्कृति में भगवान गणेश को शुभारंभ, बुद्धि और मंगल के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। गणपति उत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और संस्कारों से जुड़ने का अवसर भी है। विसर्जन के दौरान बौटेक, वैमानिकी, पॉलिटेक्निक, मैनेजमेंट, फार्मसी, लॉ, आईटीआई सहित अन्य प्रोफेशनल कोर्स के छात्र-छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। भक्ति गीतों और गणपति बप्पा के जयकारों के बीच विद्यार्थी भाव-विभोर नजर आए।

आंगनवाड़ी केंद्रों से महिलाओं व बच्चों तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ

सोनीपत। सेवा संकल्प अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता मनजीत मुकुमपुर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इसके अलावा तेजेंद्र, सुकमपाल व वेमप्रकाश ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान आंगनवाड़ी केंद्र पर बच्चों और महिलाओं से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मनजीत ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं व युवाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर उतरी हैं, जिनके लगातार सकारात्मक प्रभाव देखने को मिले हैं। कार्यक्रम में सुपरवाइजर राजनी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनेहा, हेलपर सुदेश, राज, मंजू, शकुंतला, सुमाष, गीता, सरोज और दर्शना मौजूद रहे।



विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर गेटवे कॉलेज में जागरूकता रैली



सोनीपत। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर गेटवे कॉलेज ऑफ फार्मसी, सोनीपत की ओर से 'स्वस्थ भारत-एंटोमाइक्रोबियल रेजिस्टंस से मुकाबला' विषय पर जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य लोगों को एंटीबायोटिक दवाओं के सही और जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक करना रहा। रैली का शुभारंभ गेटवे एजुकेशनल डायरेक्टर जनरल डॉ. अमिक गर्ग और गेटवे कॉलेज ऑफ फार्मसी के प्राचार्य डॉ. राहुल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया। डॉ. अमिक गर्ग ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। दवाओं के सुरक्षित और सही उपयोग में उनकी अहम भूमिका है। रैली में बी. फार्मसी के विद्यार्थियों और एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर विद्यार्थियों ने लोगों को बिना रिकिस्कर्फीय सलाह के एंटीबायोटिक दवाएं न लेने का संदेश दिया। उन्होंने 'सही दवा, सही सलाह-स्वस्थ भविष्य की सच्ची राह' जैसे नारों से जागरूक किया। इस अवसर पर शिक्षक, स्टाफ सदस्य और विद्यार्थी मौजूद रहे।

कला एवं नृत्य कार्यशाला में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

सोनीपत। राजकीय महिला महाविद्यालय, सोनीपत में हरियाणा कला परिषद के सहयोग से 2 सितंबर से 26 सितंबर तक आयोजित कला एवं नृत्य कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। कार्यशाला में छात्राओं को हिंदी नाटक, हरियाणवी रिफ्ट, हरियाणवी गीत, रागिनी और हरियाणवी नृत्य सहित विभिन्न लोक एवं सांस्कृतिक विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में प्रसिद्ध हरियाणवी कलाकर एवं हरियाणा कला परिषद के अतिरिक्त निदेशक गगन हरियाणवी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने छात्राओं की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को लोक संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने महाविद्यालय की प्राचार्या फिरोज सरीहा का भी आभार व्यक्त किया कि छात्राओं के लिए बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। उप-प्राचार्य डॉ. नरेश अतिल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और हरियाणा कला परिषद, प्रशिक्षक प्रदीप एवं आकाश सहित सभी सहयोगियों का आभार जताया। छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मंच संचालन हिमांशु ने किया। डॉ. सुनील पंवार, डॉ. मंजीत, डॉ. सविता, डॉ. मिनाक्सी, डॉ. अमिता सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। डॉ. सुनील पंवार ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं की प्रतिभा को मंच देने के साथ हरियाणवी लोक कला एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देना रहा।



इस्कॉन प्रचार समिति ने हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल दिया श्रद्धालुओं को निमंत्रण

अग्रवाल धर्मशाला में आज होगा श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

■ गोपी मंदिर से सुबह 10 बजे पूजा-अर्चना के साथ होगी कलश यात्रा की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज़►►सोनीपत

इस्कॉन प्रचार समिति, सोनीपत की ओर से गुड़ मंडी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में 27 सितंबर से प्रारंभ होने वाली श्रीमद्भागवत कथा के उपलक्ष्य में शनिवार को शहरभर में हरिनाम संकीर्तन

प्रभातफेरी निकाली गई। प्रभातफेरी की शुरुआत गुड़ मंडी से तुलसी पूजन के साथ प्रारंभ की गई। इसके बाद वेस्ट समनगर, गांधी नगर, कृष्णा नगर होते हुए भरतपुरी स्थित इस्कॉन प्रचार केंद्र में संपन्न हुई। मार्ग में समिति सदस्यों ने जगह-जगह श्रीमद्भागवत कथा का प्रचार किया। श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रभातफेरी के पश्चात समिति सदस्यों ने इस्कॉन प्रचार केंद्र में बैठक कर



सोनीपत। गांधी नगर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकालते इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

श्रीमद्भागवत कथा के सफल संचालन की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। साथ ही श्रद्धालुओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। रघु कुमार दास ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा को लेकर 27 सितंबर

रविवार सुबह 10 बजे गोपी मंदिर से अग्रवाल धर्मशाला तक कलश यात्रा निकाली जाएगी। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक निखिल मदान की धर्मपत्नी निखिता मदान, कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दीवान की धर्मपत्नी मेधा दीवान और सरिता अग्रवाल पूजा-अर्चना कर कलश यात्रा का शुभारंभ करेंगी।

अग्रवाल धर्मशाला में शाम 6 बजे श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया जाएगा। कथा का

ये मौजूद रहे

इस दौरान ईश्वर चंद्र गौड़, सहदेव प्राण दास, रामसेवक दास, शांत नरसिंह दास, भागवत तत्व दास, बृज नारद दास, युग धर्मादास, कृष्ण कुमार गर्ग, जयभगवान, सुंदर सिंह, मास्टर विजयपाल, जयप्रकाश, मास्टर जगदीश पांचाल मौजूद रहे।

समय रोजाना शाम 6 से रात 9 बजे तक रहेगा। कथा उपरांत प्रतिदिन श्रद्धालुओं के लिए भंडारा लगाया जाएगा।

खबर संक्षेप

स्व. श्योचन्द्र शर्मा एवं भरतो देवी शर्मा की 19वीं पुण्यतिथि पर विधायक के अर्पित किए पुष्प



गन्नौर। गांव खेवड़ा स्थित न्यू टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को स्वर्गीय श्री श्योचन्द्र शर्मा एवं स्वर्गीय श्रीमती भरतो देवी शर्मा की 19वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल के निदेशक सुरेश शर्मा ने विधायक का पहुंचने पर स्वागत किया। कार्यक्रम में विधायक कृष्ण गहलावत ने शिरकत की और दिवंगत श्योचन्द्र शर्मा एवं भरतो देवी शर्मा के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावमयी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधायक कृष्ण गहलावत ने दिवंगत आत्माओं को नमन करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम में हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने आहुति डालकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद श्रद्धालुओं एवं उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया।

जनसमस्याओं के समाधान के लिए शिविर लगाया



गन्नौर। गांव दातौली स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विभिन्न विभागों की ओर से जनसमस्याओं के समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से शिविर आयोजित किया गया। शिविर में स्वास्थ्य, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास और पेशन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न मामलों का निपटारा किया। मार्केट कमेटी के वहाइस चेयरमैन योगेश कौशिक ने शिरकत की। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सीएचओ अनुश्री ने 33 लोगों के रक्तचाप और मधुमेह से संबंधित मामलों की जांच की। पशुपालन विभाग की ओर से डॉ. राजकुमार यादव और डॉ. सुनील यादव ने ग्रामीणों को पशुपालन एवं डेयरी ऋण संबंधी जानकारी दी। विभाग की ओर से डेयरी ऋण के 15 मामलों पर कार्रवाही की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूजा ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और 15 शिकायतों का समाधान किया।

भाद्रपद पूर्णिमा पर पीड़ित पशु गोशाला में किया यज्ञ



गोहाना। राष्ट्रीय वैदिक परमाथी ट्रस्ट द्वारा शहर में पानीपत मार्ग पर संचालित लावारिस पीड़ित पशु गोशाला में शनिवार को भाद्रपद पूर्णिमा एवं विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस पर यज्ञ किया गया। यज्ञ में गो सेवकों ने मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां डालीं। मुख्य अतिथि मिवाजी से सेवानिवृत्त एसडीएस इंदर सिंह थे। अध्यक्षता दिल्ली पुलिस से सेवानिवृत्त अधिकारी बलराज मोर ने की। यज्ञ के यजमान ट्रस्ट के अध्यक्ष रामेश्वर दास सेनी व उनकी पत्नी सीमा देवी रहे। यज्ञ के देपुरहित डॉ.विजेंद्र आर्य थे तथा मंत्र का संचालन गोशाला के प्रेस सचिव आजाद सिंह बोगी ने किया। इस मौके पर ट्रस्ट के महासचिव ठेकेदार भूपेंद्र प्रजापति, कोषाध्यक्ष अशोक आर्य, मुख्य सलाहकार राजेंद्र जांगड़ा, गुलशन सिंह सेनी, रामकृष्ण सहरावत, राजवीर सिंह, डॉक्टर कृष्ण पन्नी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यज्ञ के पश्चात पर्यावरण शुद्धि और गो माताओं के स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना की गई।

पं. दीनदयाल उपाध्याय को नमन किया



खरखोदा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। सीएम चिंटी एमिनेंट पर्सन सुनील पांचाल ने बताया पंडित दीनदयाल ने अपने विचारों और जीवन से हमें सदैव चरचेति चरचेति का मंत्र दिया। निरंतर चलते रहना कर्मपथ पर आगे बढ़ते रहना और राष्ट्र सेवा से समर्पित रहने का संदेश दिया। वह स्वयं एक अद्विष्ट यात्री थे, जिनका जीवन सेवा, समर्पण, और राष्ट्रीय हित की प्रेरणा देता है। उपमंडल खरखोदा के गांव रोहणा आंगनबाड़ी केंद्र में जाकर लाभार्थी परिवार से मिलकर सरकार द्वारा खाद्य सामग्री व पौष्टिक आहार नियमित रूप से मिल रहा है और लाभार्थी परिवारों ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री नाथ सेनी की धन्यवाद किया। इस अवसर पर हीरालाल, अमिजीत, एससी मोर्चा जिला सचिव प्रेम सिंह, पवन कुमार, आंगनवाड़ी वर्कर सुदेश देवी, हेलपर, रजवंती आदि उपस्थित रहे।

भंडारे में वितरित किया चावल व छोले का प्रसाद



गोहाना। शनिवार को शहर में गुरुद्वारा सिंह सभा के बाहर चावल और छोले का भंडारा लगाया गया। यह भंडारा टिकाना श्री सति भाई साईं दास सेवा कलानेर के गद्दीनगो महंत भाई रामसुख दास महाराज की प्रेरणा से आयोजित किया गया। चावल व छोले का भंडारा श्री सति भाई साईं दास सेवा दल गोहाना द्वारा लगाया गया। अध्यक्षता हरीश घुघ ने की और संयोजन कंचन घुघ का रहा। पौयुष सिंघवाजी के जन्मदिवस पर इस कार्यक्रम में रविंद सिंघवाजी, नरेंद्र सिंघवाजी, मासुक् सिंघवाजी, अनिल वधवा, केशव घुघ, सोमनाथ वधवा व सोनू ने अपना विशेष सहयोग दिया।

विद्यार्थियों ने नए विचारों और नवाचारों की दी प्रस्तुति



सोनीपत। ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में शनिवार को 'चैंपियंस ऑफ चेंज' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और विभिन्न विषयों से जुड़े नए विचार प्रस्तुत किए। अधिकतर विद्यार्थियों ने व्यापार की नई रणनीतियों और नवाचार से जुड़े विचारों पर अपने दृष्टिकोण साझा किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नीरज शर्मा तथा रीना शर्मा मौजूद रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या चंचल शर्मा और मीनू शर्मा ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। नीरज शर्मा ने कहा कि 'चैंपियंस ऑफ चेंज' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह संदेश है कि बदलाव तभी आता है, जब हम स्वयं आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं और समाज व देश के लिए योगदान करते हैं। विद्यार्थियों को अपने अपने बड़े रखने, मेहनत करने और दृढ़ सकारात्मक बदलाव का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने अपने विचार निर्णायक मंडल के सामने आत्मविश्वास से रखे और उनके उपयोग की जानकारी दी। कार्यक्रम से विद्यार्थियों ने समस्या समाधान, नेतृत्व और प्रस्तुतिकरण जैसे कौशल विकसित करने पर जोर दिया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सोचने, सुनने करने और समाज में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना रहा। अंत में अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार जताया गया।

खबर संक्षेप



खेलोत्सव में छात्राओं ने दिखाई खेल प्रतिभा

गोहाना। शनिवार को राजकीय महिला महाविद्यालय, गोहाना के 45वें वार्षिक खेलोत्सव में छात्राओं ने विभिन्न खेल प्रतियोगिता में अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित की। खेलोत्सव में 15 विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं करवाई गईं। खेलोत्सव के संयोजक देवेंद्र मलिक रहे। वार्षिक खेलोत्सव में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा रेनु को बेस्ट एथलीट घोषित किया गया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग प्रो. चांद मोर, डॉ. सतीश कुमार, प्रो. शमशेर भंडेरी और डॉ. एकता वशिष्ठ सहित अन्य स्टाफ सदस्यों का रहा। खेलोत्सव में श्री लैंग रेस में पायल, मनोभा, संजना, शांटपुट में रेनु, प्रिंसी और रौनक, 100 मीटर रेस में रेनु, अंशिका मोर और रौनक, डिस्कस थ्रो में मीनाक्षी, प्रिया और तन्नु, जैवलिन थ्रो में स्वीटी, प्रिया और नैसी, लंबी कूद में रेनु, स्वीटी और रौनक, 400 मीटर रेस में अन्नु, स्वीटी और अंकिता मोर क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहें।

ताड़क्वांडो प्रतियोगिता में शिवांश ने जीता सोना



सोनीपत। शिव मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र शिवांश ने सीबीएसई राष्ट्रीय ताड़क्वांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। पानीपत में आयोजित प्रतियोगिता के अंडर-19 वर्ग के 73-78 किलोग्राम भार वर्ग में शिवांश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराकर पहला स्थान हासिल किया। शिवांश ने प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट खेल कौशल, आत्मविश्वास और अनुशासन का परिचय दिया। उसकी सफलता से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय के चेयरमैन अजमेर सिंह ने शिवांश को बधाई देते हुए कहा कि उसकी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प ने उसे राष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाई है।

एनसीसी बटालियन का प्रशिक्षण शिविर शुरू

सोनीपत। 12 हरियाणा बटालियन एनसीसी, सोनीपत की ओर से 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक पी.आई.ई.टी., समालखा में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-138 का आयोजन किया जा रहा है। दस दिवसीय शिविर में सोनीपत, पानीपत, समालखा, गोहाना और खानपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से 500 से अधिक एनसीसी कैडेट भाग ले रहे हैं। शिविर का नेतृत्व कैप कमांडेंट कर्नल विशाल डूबे कर रहे हैं। शिविर में उप कैप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल मोहित चौहान, सुबेदार मेजर सुरेंद्र सेना मैडल, कैप्टन नीतू नसीयर, लेफ्टिनेंट विशाल, लेफ्टिनेंट प्रियंका, लेफ्टिनेंट बलिवर, लेफ्टिनेंट बलजिंदर, लेफ्टिनेंट अनु, लेफ्टिनेंट शिव नारायण, लेफ्टिनेंट नरवीर, गर्ल कैडेट प्रशिक्षक प्रियंका आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 96533530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुगम **हरिभूमि** के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 से.मी.	स्थानीय संस्करण के	रु. 2000/-
10X 8 से.मी.	अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छुट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कॉल करें।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

मुख्यल स्थित दीनबंधु छोट्ट राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सड़कों का करीब 30 प्रतिशत पुनर्निर्माण अधर में लटकने के कारण स्टाफ सदस्यों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ रही है। विवि में एक बार फिर नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के बावजूद सड़कों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाया है। विवि के स्टाफ सदस्य, कर्मचारी और विद्यार्थी करीब एक साल में कई बार प्रदर्शन, धरना देकर सड़कों के पुनर्निर्माण का मुद्दा उठा चुके हैं। अब लोक निर्माण विभाग ने सड़कों के शेष कार्यों को पूरा करवाने के लिए विवि प्रबंधन से पत्राचार किया है, ताकि शेष सड़कों का पुनर्निर्माण करवाकर समस्या पर लगाम लगाई जा सके।

लोक निर्माण विभाग ने जनवरी 2025 में मुख्यल विवि की खस्ताहाल सड़कों के नवीनीकरण के लिए 2.61 करोड़ रुपये का बजट तैयार कर मुख्यालय से पास करवाया था। इसके बाद विभाग ने अप्रैल 2025 में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर मुख्यालय से अलॉटमेंट प्राप्त की थी। हालांकि अगस्त तक काम शुरू नहीं हो पाने और तकनीकी खामियों के चलते विभाग ने टेंडर रद्द करते हुए सितंबर 2025 में रि-टेंडर लगाकर खस्ताहाल सड़कों के पुनर्निर्माण का निर्णय लिया था। इसके बाद सड़कों की स्थिति को सुधारने के लिए विश्वविद्यालय में 3 अक्टूबर को सड़कों के पुनर्निर्माण को झंडी मिलने के साथ काम शुरू करवाया गया। इसके बाद त्योहारों और बिहार में होने वाले चुनाव के चलते मजदूरों के बिहार लौटने, फिर सर्दियों में ग्रेप-4 के नियम लागू होने से सड़कों के पुनर्निर्माण को ब्रेक लग गया था। बाद में विभाग को जहां मजदूर लौटने से राहत मिली, तो पश्चिमी देशों में बनी युद्ध की स्थिति से सड़कों के निर्माण मेंटैरियल पर संकट के बादल मंडरा गए। ऐसे में विभाग एक साल तक विवि की सड़कों का पुनर्निर्माण नहीं करवा पाया है।



सोनीपत। मुख्यल विश्वविद्यालय में क्वार्टर ब्लॉक की खस्ताहाल सड़क।

खानापूरी के लगाए आरोप

कर्मचारियों व विद्यार्थियों का आरोप है कि विश्वविद्यालय में सड़कों के पुनर्निर्माण में लगातार लापरवाही बरती जा रही है। कई जगह सड़कों को उखाड़कर काम को बीच में ही छोड़ दिया है। कई जगह खस्ताहाल सड़कों व गड्ढे कर्मचारियों व विद्यार्थियों को परेशानी बढ़ा रहे हैं। आरोप है कि 14 नवंबर 2025 को मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रवेश द्वार, एडमिन ब्लॉक के आसपास लगती कुछ सड़कों का सुधार कथकावर खानापूरी की गई है। खस्ताहाल सड़कों के सुधार की मांग के लिए कई बार विवि प्रबंधन को शिकायत कर चुके हैं।

देश-विदेश के विद्यार्थी ले रहे प्रशिक्षण

करीब 273 एकड़ में फैले मुख्यल विश्वविद्यालय में प्रदेश ही नहीं, बल्कि दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश के अलावा कुछ विदेशों के विद्यार्थी भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह विद्यार्थी विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, वास्तु कला, प्रबंधन अध्ययन व मानविकी जैसी उच्च शिक्षा ग्रहण करते हैं। इसके अलावा जिलाभर के हजारों विद्यार्थी मुख्यल विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं खस्ताहाल सड़कों के सुधार की मांग को लेकर शिक्षक-कर्मचारी संघ व प्रबंधन कई बार आमने-सामने हो चुके हैं, लेकिन आज तक सड़कों की स्थिति का सुधार नहीं हुआ है।

ये सड़कें बदहाल

- पुस्तकालय रोड
- शिक्षण ब्लॉक रोड
- कैमिकल ब्लॉक रोड
- क्वार्टर ब्लॉक रोड
- डी श्रेणी ब्लॉक रोड
- छात्रों के छात्रावास रोड

समूहगान में शिवा शिक्षा सदन प्रथम

- भारत विकास परिषद की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

शिवा शिक्षा सदन, सोनीपत ने भारत विकास परिषद की ओर से आयोजित जिला स्तरीय समूहगान प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने हिंदी समूहगान और संस्कृत समूहगान दोनों वर्गों में प्रथम स्थान हासिल किया। दोनों प्रतियोगिताओं में पहला स्थान मिलने के बाद शिवा शिक्षा सदन जिला स्तर पर विजेता बना। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने



भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभावना और संगीत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर वीरेंद्र कुमार बंसल ने विजेता टीम को बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों और मार्गदर्शक शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए आगामी राज्य स्तरीय समूहगान प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इसी उत्साह और मेहनत के साथ आगे बढ़ें और राज्य स्तर पर भी विद्यालय का नाम रोशन करें। विद्यालय प्रबंधन ने भी विजेता विद्यार्थियों और मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई दी।

अपोलो स्कूल के खिलाड़ी अभय ने शानदार प्रदर्शन कर बाजी मारी

गन्नौर। हिसार में आयोजित स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) की राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में अपोलो स्कूल के खिलाड़ी अभय ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और सोनीपत जिले का नाम



रोशन किया। अभय के बेहतरीन खेल की बदौलत सोनीपत की टीम ने सेमीफाइनल मुकाबले में जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया और प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया। सोमीफाइनल मुकाबले में सोनीपत की टीम ने विरोधी टीम को 1-0 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। इस महत्वपूर्ण मुकाबले में अभय ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद फाइनल मुकाबले में सोनीपत की टीम का सामना हिसार की टीम से हुआ। कड़े मुकाबले में सोनीपत की टीम को 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। इसका बावजूद टीम ने प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किया। इस अवसर पर फुटबॉल प्रशिक्षक कुलदीप और रितिका भी मौजूद रहे। अपोलो स्कूल की प्रधानाचार्या अनिता यादव ने अभय की उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अभय ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया है। उसकी मेहनत, लगन और खेल भावना से विद्यालय का गौरव बढ़ा है।

सीसीएस जैन विद्या मंदिर में ‘मन की बात’ में अभिभावकों से संवाद



गन्नौर। सीसीएस जैन विद्या मंदिर, गन्नौर में विद्यार्थियों, अभिभावकों और विद्यालय परिवार के बीच संवाद एवं सहभागिता को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मध्य अभिभावक सम्मेलन ‘मन की बात’ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन अरिजय जैन के स्वागत के साथ हुआ। निदेशक डॉ. मनोज कुमार, हेडमिस्ट्रेस शीतल शर्मा और स्टाफ सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद दीप प्रज्वलन और पानोकार मंत्र के साथ कार्यक्रम का मंगलमय शुभारंभ किया गया। निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, विद्यालय की आगामी योजनाओं और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से बर्खास्त करने की उठाई मांग

गन्नौर। रेलवे रोड स्थित अमन गार्डन में शनिवार को कांग्रेस का कार्यक्रम सम्मेलन हुआ। सम्मेलन में हरियाणा कांग्रेस प्रमारी संजय दत्त और प्रदेशअध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह पहुंचे। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुलदीप शर्मा, शहरी



ने कहा कि कांग्रेस अहम हर बुध पर संगठन तैयार करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर देगी। उन्होंने कहा कि भागपाव ने चुनाव आयुक्त के साथ मिलकर लोकतंत्र की हत्या कर प्रदेश में चुराए गए जनदंश से सरकार बनाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री नारायण सिंह सेनो से इस्तीफा देकर देबारा विधानसभा चुनाव कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि 28 सितंबर को प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस विरोध-प्रदर्शन करेगी। राव नरेंद्र सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पद से बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की हत्या के षड्यंत्र के आरोप में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी करने और उनके कार्यकाल में हुए कार्यों की समीक्षा करने की मांग उठाई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष संजीव बहिया, कांग्रेस नेता राजेश पहलवान, प्रताप महिपाल पांवी, सुरेंद्र बैरागी, जनार्दन राठी, सुरेंद्र मोहन शर्मा, बार एसोसिएशन अध्यक्ष युद्धवीर पारियर आदि मौजूद थे।

हसनपुर में 3.15 करोड़ से होंगे विकास कार्य, विधायक कादियान ने रखी नींव

- रास्ते, गलियां, नाला और सड़क निर्माण के काम शामिल, ग्रामीणों ने पगड़ी पहनाकर किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ►► गन्नौर

हसनपुर गांव में शनिवार को करीब 3.15 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। विधायक देवेंद्र कादियान ने शिव मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नारियल फोड़कर विकास कार्यों की शुरुआत की। ग्रामीणों ने विधायक का फूलमालाओं और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया।



कार्यक्रम में ग्रामीणों ने गांव की अन्य समस्याएं और विकास संबंधी मांगें भी विधायक के सामने रखीं। विधायक ने 48.64 लाख रुपए की लागत से वजीर अंतिल के खेत से रामरतन के खेत तक बनने वाले रास्ते का शिलान्यास किया। इसके अलावा 12 लाख रुपए से पंचायत घर से ज़ीराम के घर तक गली रिपेयर और 18 लाख रुपए से नरेश के घर से स्वागत द्वार तक गली रिपेयर व

नाला निर्माण कार्य की शुरुआत कराई। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि गन्नौर विधानसभा क्षेत्र के गांवों और शहर में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना उनकी प्राथमिकता है। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि कर्मबीर, जगदीश पंच, दीपक मास्टर, सुरेंद्र पंच, जसबीर पंच, बंटी, विजय, प्रदीप, टिकू, दलबीर, चांद, सोनू, देवेंद्र, प्रदीप नेहरा, ब्रिजू, अनिल, भानू आदि मौजूद रहे।

विपश्यना सत्र में विद्यार्थियों और स्टाफ ने सीखी ध्यान की विधि



सोनीपत। भारत गुप ऑफ इंस्टिट्यूट्स, सोनीपत में विद्यार्थियों और स्टाफ के मानसिक स्वास्थ्य, एकाग्रता एवं सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए विपश्यना के परिचयात्मक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बीआईटीएस के अंतर्गत हुआ। विक्कम आदित्य ने विपश्यना और अनापान ध्यान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन 10 से 15 मिनट ध्यान का अभ्यास एकाग्रता, जागरूकता, स्मरण शक्ति, निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक हो सकता है। उन्होंने बताया कि यह अभ्यास तनाव, चिंता, भय, घबराहट और क्रोध को कम करने में भी उपयोगी माना जाता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और स्टाफ ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक रविंदर कुमार रहे। समापन पर संस्थान की निदेशक पूनम ने विक्कम आदित्य को अंगवस्त्र और सम्मान स्वरूप भेंट देकर अभिनंदन किया।

डीसीआरयूएसटी में प्रशासन के रवैये से कर्मियों में रोष, कल से धरने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

दीनबंधु छोट्ट राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुख्यल में कार्यरत कर्मचारियों की लंबित मांगें पूरी नहीं होने और प्रशासन के मनमाने व तानाशाही रवैये को लेकर कर्मियों में रोष व्याप्त है। कर्मचारियों ने कहा कि अगर समय रहते उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वह विवि परिसर में कल से धरना शुरू करने पर विवश होंगे। जिसकी जिम्मेदारी विवि प्रशासन की होगी। विवि में चाहे एचकेआरएनएल के कर्मचारी हों, डीसी रेट या नियमित कर्मचारी हों। इनके अलावा विद्यार्थियों व शिक्षकों की मांगों को भी अनदेखा किया जा रहा है। सभी वर्गों में विवि प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। विभिन्न मांगों पर विवि प्रशासन जान-बूझकर कर्मचारी विरोधी नीति अपना रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि कुलपति कर्मचारियों या छात्रों के हित के कार्यों को यह कहकर टाल रहे हैं कि वह एक्सटेंशन पीरियड में हैं, इसलिए वह उनकी कोई भी मांग पूरी नहीं कर सकते, जबकि अपनी मर्जी के सभी कार्यों, अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने वाले सभी कार्य किए जा रहे हैं। विवि में कर्मचारियों की काफी लंबित मांगें आज तक पूरी नहीं हुई हैं। इनमें कर्मचारियों के लिए वन स्टेप डाउन के 18 निवासी मकान खाली पड़े हैं, जिनको पात्र कर्मचारियों को आवंटित करने की फाइल पर एक माह बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है। कई कर्मचारियों की एसीपी वर्षों से लॉबित है, लेकिन उन्हें उनका लाभ नहीं दिया जा रहा है। वहीं चहेतों को किसी पद पर लगाने, नई सर्भितियां गठित करने जैसे कार्यों में कुलपति का एक्सटेंशन पीरियड कोई बाधा नहीं बन रहा है।



कर्मचारियों ने ये लगाए आरोप

कर्मचारियों का आरोप है कि विवि में सबसे ज्यादा शोषण एचकेआरएनएल और डीसी रेट पर कार्यरत कच्चे कर्मचारियों का हो रहा है। प्रदेश सरकार ने इन कर्मचारियों को एक्सटेंशन अनौचित्य अक्टूबर तक बढ़ा दी है, लेकिन विवि प्रशासन ने अब तक यहां कार्यरत कर्मचारियों की एक्सटेंशन नहीं की है। साथ ही यह कहकर परला झाड़ लिया है कि सरकार से आया एक्सटेंशन पत्र पर विवि का एड्रेस नहीं है, जो कि एक बेवूदा तर्क है। इस लापरवाही के कारण एचकेआरएनएल पोर्टल पर एक्सटेंशन अपडेट न होने से 30 तारीख के बाद अटेंडेंस शीट डाउनलोड नहीं हो पाएगी। ऐसे में कर्मचारियों को वेतन भुगतान में बाधा आएगी। आरोप है कि विश्वविद्यालय में कार्यरत 3 एचकेआरएनएल कर्मचारी, पुनीत झुपटसमेन, सुभाष लिफ्टमैन और विरमल नाली का करीब 3 माह का वेतन पिछले एक वर्ष से लंबित है, जिनका आज तक भुगतान नहीं किया गया। वहीं डीसी रेट पर लंबे समय से सेवा दे रहे 13 अनुभवी कर्मचारियों पर अब एक्सईटीसी टेस्ट की अनिवार्यता थोपी जा रही है, जो न्यायसंगत नहीं है।

पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार के पिता का निधन

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

सोनीपत से पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेंद्र पंवार के पिता डॉ. दिलीप सिंह पंवार का शनिवार सुबह

- सुंडाना गांव में हुआ अंतिम संस्कार, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के लोगों ने दी श्रद्धांजलि

अंतिम विदाई दी। डॉ. दिलीप सिंह पंवार ने सोनीपत शगर मिल में करीब 28 वर्षों तक खरीद अधिकारी के पद पर सेवाएं दीं। उनके निधन पर शगर मिल से जुड़े लोगों ने भी शोक व्यक्त किया। अंतिम संस्कार में सोनीपत से सांसद पंडित सतपाल ब्रह्मचारी, विधायक निखिल



मदान, पूर्व मंत्री चौ. जगबीर सिंह मलिक, पूर्व सांसद जितेंद्र मलिक, पूर्व विधायक पद्म सिंह दहिया, एचपीएससी के पूर्व सदस्य सुरेंद्र शर्मा, पूर्व चेयरमैन अशोक छाबड़ा, प्रदीप गौतम, सरपंच दलेल सिंह, अशोक कोच, भोला ढाका, रविंद्र ढाका और रविंद्र दलाल सहित बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। सभी ने सुरेंद्र पंवार और उनके परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

किसानों को बिना फसल पंजीकरण नहीं मिलेगा योजनाओं का लाभ

गोहाना। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए मेरी फसल मेरा ब्यूरो पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। शनिवार को सोनीपत रोड स्थित विभाग के उपमंडल कार्यालय में किसानों को



यह जानकारी दी गई। विभागीय कर्मचारियों द्वारा इस दौरान काफी किसानों का पोर्टल पर फसल पंजीकरण भी किया गया। फिलहाल किसान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में ही मेरी फसल मेरा ब्यूरो पोर्टल पर अपनी खरीफ की फसलों का पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण करवाने की अंतिम तिथि 27 सितंबर है। शनिवार को एएसडीओ डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेहरा के मार्गदर्शन में बीएओ संजीव मलिक, बीएओ डॉ. जैनेन्द्र, सुपरवाइजर मनजीत, मनीषा, सीमा, ललित, रविन्द्र, एचपीएम कृष्ण खारसा, संदीप मलिक और मुकेश ने किसानों का ऑनलाइन फसल पंजीकरण किया। सुपरवाइजर मनीषा ने बताया कि जिन किसानों ने फसल पंजीकरण नहीं करवाया है वे अपना आधार कार्ड, किला नंबर और बैंक खाता नंबर लेकर विभागीय कार्यालय में जाकर पंजीकरण करवा सकते हैं। कार्यक्रम में किसानों को पराली प्रबंधक करके सरकार द्वारा दी जाने वाली 12 ली रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया।